























# KASHYAP'S DENTAL CLINIC

**Dr. Vaibhav Kashyap**



Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA



"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए  
50% की छूट

## Facilities

- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- ❖ स्पाइल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल क्लिप
- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

### CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi  
Contact No. : 9199533383, 7903835453  
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm  
Sunday : 9 am to 2 pm  
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

## बांग्लादेश में सत्ता पलट

थेख हसीना ने भारत से मांगी मदद, दिल्ली ने तत्काल दी स्वीकृति

# गृह मंत्री के आवास में लगाई आग बंग बंधु थेख हुजीबुर की मृत्यु तोड़ी

एजेंटी

दाका। शेख हसीना के बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर सुरक्षित स्थान के लिए निकल जाने की खबर के बाद छात्रों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रश्नानकारियों ने प्रधानमंत्री के अधिकारिक आवास 'गणवधन' पर धावा लोल दिया। प्रदर्शनकारियों ने दाका में बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति और शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को भी तोड़ दिया। स्थानीय पीड़िया के अनुसार, दाका की सड़कों पर करीब चार लाख प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की राजधानी दाका में सोमवार को प्रदर्शनकारियों का काबहा है। रिथित नियंत्रण में बाहर होता देख प्रधानमंत्री ने इस्तीफे दे दिया और तत्काल भारत से मदद मांगी। भारत सरकार ने उन्हें भारतीय हवाया क्षेत्र से गुजारने के लिए सुरक्षित रास्ता देने को मंजूरी दें दी। शेख हसीना देश को संबोधित करना चाही थीं लेकिन उन्हें ऐसा करने का सौकाही ही नहीं मिल पाया और देश छोड़कर निकलना पड़ा।

इसके बाद शेख हसीना अपने परिवार के साथ सुरक्षित भारत पहुंच गई। इसकी उग्र प्रदर्शनकारियों ने दाका के पांच इलाके धानमंडी में देश के गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल के आवास में तोड़फोड़ की और उसे आग के हवाले कर दिया। असदुज्जमान खान ने देश में चल रहे छात्रों के प्रदर्शनों में जमात-ए-इस्लामी की छात्र शाखा जमात-शिवार और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बाएनपी) की भूमिका होने का हवाला देते हुए उन पर पांचदी लगा दी थी।



## थेख हसीना का भारत से दिइता

### कौन हैं थेख हसीना



थेख हसीना बांग्लादेश के बंग बंधु थेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। 1975 में परिवार के ज्यादातर सदस्यों के साथ एक सैन्य तथ्यालय में उनकी मौत हो गई थी। लेकिन थेख हसीना और उनकी बहन देहाना उस वक्त जर्मनी में थीं।

इसलिए जिंदा बच गई थी। तब इंदिरा गांधी ने थेख हसीना और उनकी बहन को भारत बुलाया था।

**थेख हसीना के दुख के दिनों के साथी**  
प्रणव मुख्यों की सलाह पर ही प्रधानमंत्री ईंदिरा गांधी ने शेख हसीना को सपरिवार भारत में शरण दी थी। दिल्ली में सरकार ने शेख हसीना को पेंडारा पाके में सरकारी आवास दिया था। वह कुछ समय के तहत 56 लाजामत नगर-पार्टी थी में भी रही थीं। शेख हसीना, उनके पाते और बच्चों के लिए प्रणव मुख्यों और उनकी पत्नी शुभा मुख्यों दिल्ली में एक तब से संशक्त की भूमिका में रहते थे। शेख हसीना का परिवार से गहरा संबंध बना रहा। प्रणव कुमार मुख्यों और शुभा ने उस रिश्ते को बनाए रखा।

**1981 में अपने देश वापस चली गई**  
दिल्ली में शेख हसीना के दोनों बच्चे संजीव वाजेद 'जॉव' और साइमा वाजेद हुसैन पुत्रल और प्रणव दा के पुत्र अधिषंजीत, इंद्रजीत और पुत्री शमिस्ता एक साथ बढ़ रहे थे। ये सब बीच-बीच में ईंदिया गेट से खलने के लिए चले जाते थे। शेख हसीना 1981 में अपने देश वापस चली गई पर उनका प्रणव कुमार मुख्यों के परिवार से गहरा संबंध बना रहा। प्रणव कुमार मुख्यों और शुभा ने उस रिश्ते को बनाए रखा।

**थेख हसीना के जाते ही दाका एयरपोर्ट बंद :** थेख हसीना के देश छोड़कर जाते ही बांग्लादेश की ज्यादाती दाका का एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है। सभी उड़ानों को बंद कर दिया गया है। इस सूचना की एयरपोर्ट के दायरेकर ने पुष्टि की है। उड़ानों के दौरान कहा कि जब हमें सूचना निलंगी, हम आपको इसकी जानकारी दें देंगे। उड़ानों के दौरान यह नहीं बताया कि कब यह उड़ानें थिए होंगी।

## बांग्लादेश की आरक्षण व्यवस्था से भड़की हिंसा

► बांग्लादेश में 30 फीसदी नौकरियां 1971 में स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बच्चों और पौत्र-पौत्रियों के लिए।

► प्रशालनिक जिलों के लिए 10 प्रतिशत, नदियाओं के लिए 10 प्रतिशत, जातीय अल्पसंख्यक समुद्रों के लिए 5 प्रतिशत और शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए 1 प्रतिशत नौकरियां आवश्यक ही हैं।

► इस एजेंसियन इंस्टीट्यूट को 2018 में निर्वाचित कर दिया गया था, जिससे उस समय इसी तरह के विरोध प्रदर्शन लक गए थे।

► पांच जून 2024 को दाका हाईकोर्ट ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को फिर से लागू करने का आदेश दिया था।

► बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों के दिशेतारों को दिए गए आरक्षण के विरोध में एक जुलाई से प्रदर्शन की शुरूआत हुई। ओटोलन उग्र होता गया इसके डेंड से ज्यादा प्रदर्शनकारी मारे गए।

► ओटोलन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश टीवी पर एक व्यापार दिया जिसका आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के दिशेतारों को निर्वाचित कर दिया था।

इसके बाद ओटोलन कुछ समय का लगा रहा। ओटोलनरत किया जाता है। इसके बाद ओटोलन कुछ समय के लिए नए लक दिया गया। ओटोलनरत विभिन्न संगठनों के लोग आये।



में 56% आरक्षण देने के दाका हाईकोर्ट के फैसले को प्रतिवार दिया जाए। आरक्षण को 56% से घटाकर 7% कर दिया। इसने से स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार वालों को 5% कोटा और एथिनिक गाइनार्टी, ट्राईजैंडर और दिल्ली को 2% कोटा दिया गया।

► इसके बाद ओटोलन कुछ समय के लिए नए लक दिया गया। ओटोलनरत विभिन्न संगठनों के लोग आये।

► एवियार को हुए ओटोलन का विरोध सत्रालंड दल से जुड़े संगठनों ने संकर कर दिया। इसके एक सौ से ज्यादा लोगों के नाम जाने के बाद सोमवार को दियारियों के लिए नियंत्रण से बाहर हो गई और प्रधानमंत्री शेख हसीना को इस्तीफा देना शुरू किया गया।

अंतिम सरकार का होगा  
गठन : सेना प्रमुख वकार

इंद्र राष्ट्र के नाम अनें संबोधन में बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल

बाकर-उज़-जमान ने घोषणा की कि शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है और देश को चलाने के लिए जल्दी ही अंतिम सरकार का गठन किया जाएगा। जनरल वाकर-उज़-जमान ने नागरिकों से बांग्लादेश को सेना पर भरोसा बनाए रखने का आग्रह किया और कहा कि सुशासन बनाए रखने के लिए जल्दी ही राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से मुलाकात करेंगे। अधिकारियों ने दावा किया कि प्रदर्शनकारी मौलिस रेस्टेशनों, सतराउँ यारी के प्रायांगों को आरक्षण देने के लिए एक संघर्ष कर रहे हैं।

विपक्षी खालिदा जिया के बेटे ने हसीना पर कसा तंज विपक्षी नेता खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने शेख हसीना पर तीखा तंज किया है। तारिक ने कहा कि शेख हसीना का इस्तीफा लोगों की ताकत का सबूत है। यह आपे वाले की पीढ़ीयों के लिए उदाहरण होगा। यह दस्तावेज़ है कि कैसे लोगों का साहस तानाशाही साको तुला दिल्ली के लिए लोगों का साहस तानाशाही साको तुला दिल्ली को एक लोकतांत्रिक देश बनाएंगे।

भारतीय रेल ने किया  
बांग्लादेश के लिए सभी ट्रेनों का परियालन स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने बांग्लादेश में उत्तर हो गए देश को वार्ता संबोधन के पांच संगठन के लिए आरक्षण की व्यवस्था में उत्तर हो गए है। लालबाजार के लगभग 15 से 20 उल्लिखन अधिकारी हाई कमीशन की सुशक्ति में तैनात हैं। उल्लिखन सूची के अनुसार, बांग्लादेश के सामने परियालन के लिए एक संघर्ष प्रदर्शन की संभावना के देखते हुए यह सुरक्षा बढ़ाई गई है।

## बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ाई चौकसी